नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (NSMCH), बिहटा में 4th राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ

तारीख: 17 से 23 सितंबर 2024
विषय: *"रोगी सुरक्षा के लिए एडीआर रिपोर्टिंग संस्कृति का निर्माण"*

स्थान: नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (NSMCH), बिहटा, पटना, बिहार

एडवर्स ड्रग रिएक्शन (ADR) मॉनिटरिंग सेंटर (AMC), फार्माकोलॉजी विभाग, NSMCH, बिहटा द्वारा **4th राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह** 17 से 23 सितंबर 2024 तक मनाया जा रहा है। इसका विषय "*रोगी सुरक्षा के लिए एडीआर रिपोर्टिंग संस्कृति का निर्माण*" है, जिसका उद्देश्य रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य सेवा परिणामों में सुधार के लिए एडीआर रिपोर्टिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना और जागरूकता बढ़ाना है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन **श्री कृष्ण मुरारी**, प्रबंध निदेशक, NSMCH, बिहटा द्वारा किया गया, जिसमें **डॉ. अशोक शरण**, प्राचार्य और **डॉ. अरविंद प्रसाद**, संयुक्त निदेशक, NSMCH ने विशेष संबोधन दिया। **डॉ. हरिहर दीक्षित**, डीन, प्रोफेसर और फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष, ने स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच एडीआर रिपोर्टिंग संस्कृति को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।

श्री कृष्ण मुरारी, प्रबंध निदेशक, ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा, "रोगी सुरक्षा के लिए एडीआर रिपोर्टिंग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल चिकित्सा पेशेवरों को अधिक जिम्मेदार बनाता है बल्कि दवा उपचार के संभावित खतरों से भी बचाता है। एक मजबूत एडीआर रिपोर्टिंग प्रणाली के साथ, हम मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बेहतर चिकित्सा देखभाल प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।" उन्होंने यह भी पुष्टि की कि "रोगी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और यह सप्ताह हमें जागरूकता फैलाने और उस दिशा में सार्थक प्रयास करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।"

मुख्य गतिविधियों में शामिल हैं:

- **पोस्टर प्रतियोगिता**: छात्रों द्वारा एडीआर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए।
- **नुक्कड़ नाटक**: एडीआर रिपोर्टिंग के महत्व को उजागर करने के लिए।
- **संकाय और स्टाफ के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण**: एडीआर की पहचान और रिपोर्टिंग पर व्यावहारिक सत्र।
- **फार्माकोविजिलेंस पर सेमिनार**: एडीआर रिपोर्टिंग में वर्तमान चुनौतियों और रोगी सुरक्षा के भविष्य पर विशेषज्ञ चर्चा।

यह सप्ताहभर का उत्सव संस्थान में एडीआर रिपोर्टिंग के प्रति जागरूकता और सतर्कता की संस्कृति को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखता है, जो सुरक्षित स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं और बेहतर रोगी देखभाल में योगदान देगा।